मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना

चर्चा में क्यों?

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि हरियाणा सरकार **मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना** के माध्यम से तीर्थयात्रियों को **अयोध्या और अन्य पवित्र स्थलों** की यात्रा करने की सुविधा प्रदान कर रही है।

मुख्य बिंदु:

- इस योजना के तहत **1.80 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवार के 60 वर्ष से अधिक आयु के सदस्यों को अयोध्या, वाराणसी और अन्य पवित्र स्थलों** की तीर्थयात्रा के लिये ले जाया जाता है।
- मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार ने राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये कई कदम उठाए हैं।
  - **कुरुक्षेत्र धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनता जा रहा है,** जो देश भर से और अंतर्राष्ट्रीय स्तर से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है
  - अन्य स्थानों पर भी **पर्यटन के अवसरों को तलाशने के प्रयास किये जा रहे हैं।**

वाराणसी

- वाराणसी **दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश राज्य** में है। यह **गंगा नदी के बाएँ किनारे पर स्थित है** और हिंदू धर्म के सात पवित्र शहरों में से एक है।
- यह विश्व के सबसे पुराने बसे शहरों में से एक है। इसका प्रारंभिक इतिहास मध्य **गंगा घाटी में पहली आर्य बस्ती से जुड़ा है।**
  - वाराणसी **बुद्ध के समय (छठी शताब्दी ईसा पूर्व) काशी राज्य की राजधानी थी,** जिन्होंने अपना पहला उपदेश **सारनाथ** के पास दिया था
  - यह शहर **धार्मिक, शैक्षिक और कलात्मक गतिविधियों** का केंद्र बना रहा, जैसा कि प्रसिद्ध **चीन बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग** ने प्रमाणित किया है, जिन्होंने **लगभग 635 ई. में** यहाँ का दौरा किया था।
- वर्ष 1194 से शुरू हुए **मुस्लिम कब्ज़े के तीन शताब्दियों के दौरान वाराणसी का पतन हो गया**
- **18वीं शताब्दी में वाराणसी एक स्वतंत्र राज्य बन गया** और बाद में ब्रिटिश शासन के तहत यह एक वाणिज्यिक एवं धार्मिक केंद्र बना रहा।
  - **वर्ष 1910 में अंग्रेज़ों ने वाराणसी को एक नया भारतीय राज्य बनाया** जिसका मुख्यालय रामनगर (विपरीत तट पर) था, लेकिन वाराणसी शहर पर इसका कोई अधिकार क्षेत्र नहीं था।
- वर्ष 1947 में **भारतीय स्वतंत्रता के बाद** वाराणसी राज्य उत्तर प्रदेश राज्य का हिस्सा बन गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mukhya-mantri-tirth-yatra-scheme